भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5646
दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता

† 5646. श्री बैजयंत पांडाः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों का उपयोग करने वाली लड़कियों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार कुल संख्या कितनी है;
(ख) क्या सरकार देश के ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क अथवा राजसहायता प्राप्त सैनिटरी नैपकिन वितरित करती है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वर्ष 2024 में ओडिशा के शामिल किए गए ग्रामीण क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): 15-19 वर्ष की आयु की लड़कियों में मासिक-धर्म स्वच्छता संबंधी उत्पादों के सुरक्षित उपयोग के संबंध में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ख): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 10-19 वर्ष की आयु की किशोरियों में मासिक-धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मासिक-धर्म स्वच्छता प्रोत्साहन स्कीम' कार्यान्वित करता है। इस स्कीम के कार्यान्वयन से मासिक-धर्म स्वच्छता के संबंध में किशोरियों के बीच जागरूकता बढ़ाने, किशोरियों द्वारा सैनिटरी नैपकिन तक पहुंच बढ़ाने और पर्यावरणीय अनुकूल तरीके से सैनिटरी नैपकिन के सुरक्षित निपटान को प्रोत्साहित करने को बढ़ावा मिलता है। इस स्कीम के अंतर्गत आशाकर्मियों द्वारा स्कूलों और समुदाय के मंचों का उपयोग करते हुए किशोरियों को छह सैनिटरी नैपकिन के पैक प्रदान किए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत, सरकार ने मासिक-धर्म स्वच्छता के किफायती उत्पादों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ₹1 प्रति पैड की दर से उपलब्ध 'जन औषधि सुविधा' सैनिटरी नैपकिन लॉन्च किया।

(ग): ओडिशा राज्य से प्राप्त सूचना के अनुसार, ओडिशा ने सभी सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल जाने वाली 17.8 लाख किशोरियों (कक्षा 6-12) को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन प्रदान करते हुए "खुशी" कार्यक्रम कार्यान्वित किया है। स्कूल नहीं जाने वाली किशोरियों (10-19 वर्ष) के लिए, आशाकर्मी आरकेएसके की मासिक-धर्म स्वच्छता योजना के तहत सामाजिक विपणन के माध्यम से रियायती दरों पर सैनिटरी नैपकिन वितरित करती हैं, ताकि बेहतर मासिक-धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इनकी पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

दिनांक 04.04.2025 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 5646 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

एनएफएचएस5 के अनुसार, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार, मासिक धर्म के दौरान सुरक्षा के स्वच्छ तरीकों का उपयोग करने वाली 15-19 वर्ष की आयु की लड़कियों का प्रतिशत (%)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	एनएफएचएस 5
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	उपलब्ध नहीं
आंध्र प्रदेश	89.1
अरुणाचल प्रदेश	92.1
असम	68.5
बिहार	59.3
चंडीगढ़	उपलब्ध नहीं
छत्तीसगढ	70.7
दिल्ली	97.6
डीएनएच और डीडी	उपलब्ध नहीं
गोवा	98.3
गुजरात	66.2
हरयाणा	93.1
हिमाचल प्रदेश	92.7
जम्मू एवं कश्मीर	73.8
झारखंड	77.1
कर्नाटक	57.7
केरल	93.6
लद्दाख	उपलब्ध नहीं
लक्षद्वीप	उपलब्ध नहीं
मध्य प्रदेश	60.5
महाराष्ट्र	85.7
मणिपुर	84.7
मेघालय	65
मिजोरम	89.8
नगालैंड	78.2
पुदुचेरी	उपलब्ध नहीं
पंजाब	94
ओडिशा	85.5
राजस्थान	85.8
सिक्किम	87.5
तमिलनाडु	98.7
तेलंगाना	95
त्रिपुरा	73.5
उत्तराखंड	91.5
उत्तर प्रदेश	70.5
पश्चिम बंगाल	86.6

* उपलब्ध नहीं- संघ राज्य क्षेत्रों की 15-19 वर्ष की लड़कियों के डेटा उपलब्ध नहीं है।

******